સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પરિચય - ૧
SATSANG PARICHAY - 1

રવિવાર, 18 ફેબ્રુઆરી, 2001 **સમય : સવારે 9 થી 11:15** **કુલ ગુણ :- 75**

CENTRE NO.
(કેન્દ્ર નંબર)

CENTRE NAME
(કેન્દ્ર નામ)

EXAMINEE'S SEAT NO. (Write Clearly & Legibly)
(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (ચોક્સાઈથી સ્પષ્ટ અક્ષરે લખવો))

IN NUMERICS
(આંકડામાં)

IN WORDS
(શબ્દોમાં)

ઉત્તરની ભાષા (MEDIUM)

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE .....
(પરીક્ષાર્થીનો અભ્યાસ)

(ઉપરની તમામ વિગતો સ્પષ્ટ વંચાય તેવા અક્ષરે લખાઇ છે
તેની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગ સુપરવાઈઝરે સહી કરવી.)
Signature Of Exam Supervisor .....
(વર્ગ સુપરવાઈઝરની સહી)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	કુલ ગુણ	

Note (નોંધ) :-

1. Figures given on the right hand side indicate the marks for that question.
   (જમણી બાજુએ આપેલા અંકો જે તે પ્રશ્નોના ગુણાંક દર્શાવે છે.)
2. Follow the instructions while answering.
   (પ્રશ્નોના જવાબ સૂચના મુજબ આપવા.)
3. Answers should be clear without cancellations.
   (છેકછાકવાળા જવાબો માન્ય ગણાશે નહીં.)

પેપર તપાસનાર(પરીક્ષક)ની સહી.

.....

२

प्राप्त गुण : प्रश्न-१ ( ) प्रश्न-२ ( )

(विभाग- १ सहजानंद चरित्र)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। **[१०]**

१. *''आप भी बहार जाइए । दरवाजे के पीछे चोकडीका काम करो ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''मैं जाऊं तो ?''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. *''अब तुम पढना रहेने दो । तुम सब पढ चुके हो ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

४. *''हमने खाना पकानेकी तैयारी कर दी है, इसलिये आप हमारे गाँव आइए ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

५. *''मेरा अंग मीट्टीवाला नहीं है ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्र.२. निम्नलिखित विधान के कारण दीजिए। **[६]**

१. *महाराजने परमहंसोंको कबूतर के कबूतर कहा ।*

.....

.....

.....

२. *महाराजने हरिभक्तों को कहा ''हमारा पर दया रखो ।''*

.....

.....

.....

३. *महाराजने संतोंको संस्कृत पढनेकी आज्ञा की ।*

.....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-३ ( ) **प्रश्न-४** ( )

प्र. ३. निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य वाक्य लिखिए। (टिपण्णी आवश्यक नहीं है।) [५]

१. सहजानंदी होना । २. गुणग्राहक होना । ३. दूध से भी मीठी छाँछ ।

प्रसंग :

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर एक वाक्य में दीजिए। [५]

१. *नरकके कुंड खाली करनेके लिये किसको भेजे थे ?*

.....

२. *जूनागढके नवाबने नगरयात्राके समय महाराजको क्या खाते देखा ?*

.....

३. *महाराजने शिक्षापत्री कब लिखी ?*

.....

४. *महाराजका अपमान किस शहरमें हुआ ?*

.....

५. *किसका अभिमान खंडन करनेके लिये महाराजने अठारह भक्तों को पत्र लिखकर दीक्षा दी ?*

.....

प्र. ५. नीचे दिये गये वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लीखिए। [५]

१. *श्रीहरिने मूलजी सेठको दृष्टिदान दिया ।* ( )

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-५ ( ) प्रश्न-६ ( ) प्रश्न-७ ( )

२. *उमरेठमें महाराजकी दृष्टिसे मूक जटाशंकर वेदके मंत्र गाने लगा ।* ☐

.....

३. *महाराज बिशप हेबरको राजकोटमें मिले थे ।* ☐

.....

४. *झींझावदरके पादरमें एक जैन साधुके अंत:करण में शांति हुई ।* ☐

.....

५. *वडतालमें श्रीजीमहाराजने नरनारायण देवकी मूर्ति प्रर्तिष्ठा की ।* ☐

.....

प्र. ६. निम्नलिखित विधान की पूर्ति कीजिए। **[४]**

१. *..... के सुबाने महाराजको जान से मार डालनेका प्रयत्न किया ।*

२. *वरताल गाँवमें ..... उत्सवको महाराजने १२ स्वरूपमें दर्शन दिए ।*

३. *शीतलदासको दीक्षा देकर महाराजने उसको ..... नाम दिया ।*

४. *श्रीजीमहाराज ..... के आमंत्रणसे धरमपुर गये ।*

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग-२)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किसे और कब कहते हैं, वह लीखिए। **[१०]**

१. *''मैं मूर्तिके आठ पद हररोज बनानेका नियम लेता हूं ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''आपने अन्नकूटमें बहुत सेवा की इसलिये हमने आपको खुश होकर दर्शन दिये हैं।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. *''स्वामी आपके दर्शन से मुझे शांति हो गई ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

४. *''मैं भावनगर जाकर राज्यमें नौकरी करूँगा ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

५. *''मुझे अखंड ब्रहचर्यका पालन करके भगवानकी भक्ति करनी है ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्राप्त गुण : प्रश्न-८ ( ) प्रश्न-९ ( ) प्रश्न-१० ( )

प्र. ८. निम्नलिखित वाक्यों के कारण दीजिए। (दो से तीन वाक्यों मे।) [६]

१. *कृष्णजी अदाने हिमराजभाईके साथ संबंध हंमेशा के लिये तोड डाला ।*

.....

.....

.....

२. *नित्यानंद स्वामीको विमुख किया गया ।*

.....

.....

.....

३. *रघुवीरजी महाराज खुश होकर जागाभक्त को मिले ।*

.....

.....

.....

प्र. ९. नीचे दिये हुए वाक्योंमें से केवल पांच सही वाक्यों को ढूंढकर सभी वाक्यों को क्रममें लिखकर अटूट प्रसंग लिखे। (केवल क्रम के रूपमे लिखो।) [५]

प्रसंग :- मूलजी ब्रह्मचारी

१. हम कहाँ मना करते हैं, उन्हे बुलाओ ।२. तू अब उज्जैन जा । वहाँ क्षिप्रा नदी के सामने पाठशाला में जाना ।३. मयाराम भट्ट मूलजी ब्रह्मचारी के पासे सेवाकी माँग करते हैं ।४. ब्रह्मचारी अब क्यों नहीं दिखाई देते ।५. डेढ मण आमका टोकरा ब्रह्मचारी डभाण से लाए ।६. मूलजी ब्रह्मचारीको गढडा मंदिरके रंगाई का काम दिया गया ।७. जाओ, तुम विमुख हो । आज से जूता पहनना नहीं, मीठा, चिकनाहटवाला खाना नहीं खाना ।८. मुझे दो, मैं ले जाऊँगा ।९. जब सत्संगीजीवन ग्रंथ लिखा गया तब महाराजने मूलजी ब्रह्मचारीको विमुख किया ।१०. शुक्लपक्षका अन्नकूट मुझे करने दो ।

केवल क्रम :- [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। [५]

१. *जूनागढके नवाबने ग्वालियरके गवैयाओंको क्या कहा ?*

.....

२. *शास्त्रीजी महाराजने किसकी अंतिम सेवा की ?*

.....

३. *महाराजने गढडा अंत्य. २४ के वचनामृत में नित्यानंद स्वामी की कौन सी प्रशंसा की ?*

.....

४. *अयोध्याप्रसादजी महाराज किस देश के आचार्य थे ?*

.....

५. *साधुओंको दरबारमें ठहरानेके लिये दादाखाचर कहाँ रहेनेके लिये तैयार हुए ?*

.....

६

प्राप्त गुण : प्रश्न-११

प्र. ११.निम्नलिखित 'अ' विभागके सामने 'ब' विभाग मेंसे योग्य शब्द खोजकर सही जोडे बनाइए। [४]

'अ'		**'ब'**
१. जागा भक्त	.....	*१. ''आज मारे ओरडे रे..... ''*
२. लाडुबा	.....	*२. ''नानेसे हो नाने रहीए..... ''*
३. कृष्णजी अदा	.....	*३. ''महान पुरुषको कभी शरमिंदा नहीं करना ।''*
४. प्रेमानंद स्वामी	.....	*४. ''दुर्वासा सब गोपीओंके थाल खा गए ।''*

(विभाग - ३ निबंध)

प्र. १२.निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्योंमें निबंध लीखिए। [१०]

१. प्रगतिका प्रथम सोपान - गुणग्राहक दृष्टि । २. अक्षरपुरुषोत्तम संस्थाके विकासमें प्रमुखस्वामी महाराज का हिस्सा ।

३. संस्कृतिके विनाशक तत्त्व (टी.वी., ईन्टरनेट आदि.....)

निबंध :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-१२